जागृति

वर्ष:67 अंक-10 मुम्बई सितम्बर 2023

"जो आत्मनिर्भर भारत के सपने बुनते हैं
और 'मेक इन इंडिया' को ताकत देते हैं,
वे खादी को सिर्फ कपड़ा नहीं,
बल्कि एक हथियार मानते हैं।"

प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 7 अगस्त, 2023 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह को संबोधित किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, केवीआईसी के अध्यक्ष के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने विले पार्ले (पश्चिम) में एक तिरंगा रैली का आयेजन किया।

आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 15 अगस्त, 2023 को 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर केवीआईसी केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में तिरंगा फहराया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:67 अंक-10 मुम्बई सितम्बर 2023

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्री विनीत कुमार

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

Khadi India

इस अंक में.....

समाचार सार 03-23

राष्ट्रीय हथकरधा दिवस समारोह: आत्मनिर्भर भारत का सपना बुनने और 'मेक इन इंडिया' को बल प्रदान करने वाले लोग खादी को मात्र कपड़ा ही नहीं, बल्कि अस्त्र समझते हैं.....3-8

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मनाया 77 वां स्वतन्त्रता दिवस.....9-11

केवीआईसी द्वारा अध्यक्ष ने खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, केरल के बिक्री केंद्र का उद्घाटन और कारीगरों को टर्न वुड क्राफ्ट उपकरण और टूल किट का वितरण.....12-13

पथनामथिट्टा में आयोग के अध्यक्ष द्वारा टर्न वुड क्राफ्ट उपकरण और टूल किट का वितरण.....14

केवीआईसी के अध्यक्ष का तमिलनाडु राज्य का दौरा: आयोग के अध्यक्ष द्वारा खादी ग्रामोद्योग की गतिविधियों का उद्घाटन और दक्षिण भारत के लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कई योजनाओं की शुरूआत 15-17

"आत्मनिर्भर भारत"को सशक्त बनाना: एक कदम आगे बढ़ाते हुए 'खादी रक्षासूत' (खादी-राखी) की शुरुआत 18-19

आयोग के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार द्वारा कारीगरों को सशक्त बनाने हेतु उपकरण और मशीनरी का वितरण: केवीआईसी की ग्रामोद्योग विकास योजना के माध्यम से प्रधान मंत्री का विज़न साकार हुआ 20-21

नई दिल्ली के लाल किला में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए विशेष अतिथि के रूप में खादी कारीगरों और 18 विविध शिल्प श्रेणियों के कारीगरों को आमंत्रित किया गया.....21

आयोग के अध्यक्ष द्वारा दौसा में 120 कुम्हारों को विद्युत चालित चाक और 40 कारीगरों को टर्नवुड क्रॉफ्ट मशीनों और टूलकिट का वितरण.....22-23

खादी प्लाजा, उद्योग भारती संस्थान-गोंडल, राजकोट में खादी कारीगर सम्मेलन एवं खादी राखी कार्यक्रम का आयोजन 24-26

महिला कारीगरों ने बांधी केवीआईसी अध्यक्ष की कलाई पर राखी.....25-26

केवीआईसी, मुंबई में जेम पोर्टल (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) के नवीनतम अपडेट पर निवारक सतर्कता के तहत प्रशिक्षण.....27-28

प्रेस कवरेज़ व सोशल मीडिया.....29-30

"जो आत्मनिर्भर भारत के सपने बुनते हैं
और 'मेक इन इंडिया' को ताकत देते हैं,
वे खादी को सिर्फ कपड़ा नहीं,
बल्कि एक हथियार मानते हैं।"

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह को संबोधित किया और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा विकसित ई-पोर्टल 'भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष- कपड़ा और शिल्प का भंडार' का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और वहां मौजूद बुनकरों से बातचीत की।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि भारत मंडपम के उद्घाटन से पहले प्रगति मैदान में आयोजित प्रदर्शनी में प्रदर्शक अपने उत्पादों का प्रदर्शन तंबू में किया करते थे। भव्य भारत मंडपम में प्रधानमंत्री ने भारत के हथकरघा उद्योग के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि पुराने और नए का संगम आज के नए भारत को परिभाषित करता है। उन्होंने कहा, " आज का भारत सिर्फ 'वोकल फ़ॉर लोकल' ही नहीं, बल्कि इसे दुनिया भर में ले जाने के लिए वैश्विक मंच भी प्रदान कर रहा है।" कार्यक्रम की शुरुआत से पहले बुनकरों के साथ हुई अपनी बातचीत का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने आज के भव्य समारोह में देश भर से विभिन्न हथकरघा समूहों की उपस्थिति की ओर इंगित किया और उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, "अगस्त 'क्रांति' का महीना है।" उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यह भारत की आजादी के लिए किए गए हर बलिदान को याद करने का समय है। स्वदेशी आंदोलन पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केवल विदेश में बने कपड़ों के बहिष्कार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि भारत की स्वतंत्र अर्थव्यवस्था के लिए प्रेरणास्रोत भी रहा। उन्होंने कहा कि यह भारत के बुनकरों को लोगों से जोड़ने का आंदोलन था और सरकार द्वारा इस दिन का चयन राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में करने के पीछे यही प्रेरणा थी। प्रधानमंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि पिछले कुछ वर्षों से हथकरघा उद्योग के साथ-साथ बुनकरों की प्रगति के लिए भी अभूतपूर्व काम किया गया है। श्री मोदी ने कहा, "देश में स्वदेशी को लेकर नई क्रांति का सूत्रपात हुआ है।" उन्होंने बुनकरों की उपलब्धियों के माध्यम से भारत को हासिल सफलता पर गर्व व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर प्रकट हो रही परिधानों की विविधता को रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि व्यक्ति

कार्यक्रम के शुरुआती चरण के दौरान देशवासियों से खादी उत्पाद खरीदने के अपने आग्रह को याद किया। इसके परिणामस्वरूप पिछले 9 वर्षों में खादी के उत्पादन में 3 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि खादी कपड़ों की बिक्री में 5 गुना वृद्धि हुई है और विदेशों में भी इसकी मांग बढ़ रही है। श्री मोदी ने अपनी पेरिस यात्रा के दौरान एक बड़े फैशन ब्रांड के सीईओ से मुलाकात को भी याद किया, जिन्होंने उन्हें खादी और भारतीय हथकरघा के प्रति बढ़ते आकर्षण के बारे में जानकारी दी थी।

की पहचान उसके द्वारा धारण किए गए कपड़ों से होती है। उन्होंने कहा कि यह विभिन्न क्षेत्रों के परिधानों के माध्यम से भारत की विविधता का जश्न मनाने का भी अवसर है। दूर-दराज के इलाकों के जनजातीय समुदायों से लेकर बर्फ से ढके पहाड़ों में रहने वाले लोगों, तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से लेकर रेगिस्तान में रहने वाले लोगों के साथ ही साथ भारतीय बाजारों में उपलब्ध कपड़ों की विविधता की ओर इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत के पास कपड़ों का सुंदर इंद्रधनुष विद्यमान है।" उन्होंने भारत के विविध परिधानों को सूचीबद्ध और संकलित करने की आवश्यकता के आग्रह को याद करते हुए इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आज 'भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष' के शुभारंभ के साथ यह फलीभूत हो गया।

पिछली शताब्दियों में भारत के कपड़ा उद्योग के मजबूत स्थिति में होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर अफसोस प्रकट किया कि आजादी के बाद इसे मजबूत बनाने की दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने कहा, "यहां तक कि खादी को भी मरणासन्न स्थिति में छोड़ दिया गया था।" उन्होंने कहा कि खादी पहनने वालों को हेय दृष्टि से देखा जाता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद सरकार इस परिस्थिति और इसके पीछे की सोच को बदलने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने मन की बात

प्रधानमंत्री ने बताया कि नौ साल पहले खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार सिर्फ 25-30 हजार करोड़ रुपये था, लेकिन आज यह एक लाख तीस हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा का हो गया है। उन्होंने कहा कि गांवों और जनजातीय इलाकों में हथकरघा क्षेत्र से जुड़े लोगों तक अतिरिक्त 1 लाख करोड़ रुपये पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री ने नीति आयोग की उस रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें

पिछले 5 वर्षों में 13.5 करोड़ लोगों के गरीबी के चंगुल से बाहर निकलने की बात कही गई है और उन्होंने इसमें बढ़ते कारोबार का योगदान होने की बात स्वीकार की। श्री मोदी ने कहा, " वोकल फॉर लोकल की भावना के साथ देशवासी स्वदेशी उत्पादों को हाथों हाथ खरीद रहे हैं और यह एक जन आंदोलन बन गया है।" उन्होंने रक्षाबंधन, गणेश उत्सव, दशहरा और दीपावली के आगामी त्योहारों में एक बार फिर से बुनकरों और हस्तशिल्पियों की सहायता करने के लिए स्वदेशी के संकल्प को दोहराने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि कपड़ा क्षेत्र के लिए लागू की गई योजनाएं सामाजिक न्याय का प्रमुख साधन बन रही हैं, क्योंकि देश भर के गांवों और कस्बों में लाखों लोग हथकरघा के काम में जुटे हुए हैं। इनमें से अधिकांश लोगों के दलित, पिछड़े, पसमांदा और जनजातीय समुदाय से होने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से आय में वृद्धि के साथ-साथ बड़ी संख्या में रोजगार के साधनों में भी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बिजली, पानी, गैस कनेक्शन, स्वच्छ भारत योजनाओं का उदाहरण दिया और कहा कि ऐसे अभियानों से उन्हें सबसे ज्यादा लाभ मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा, "मुफ़्त राशन, पक्का मकान, 5 लाख रुपये तक का मुफ़्त इलाज- यह मोदी की गारंटी है।" उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि वर्तमान सरकार ने बुनियादी सुविधाओं के लिए बुनकर समुदाय के दशकों लंबे इंतजार को समाप्त कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार न केवल कपड़ा क्षेत्र से जुड़ी परंपराओं को जीवित रखने की दिशा में प्रयासरत है, बल्कि दुनिया को एक नए अवतार में आकर्षित करने का भी प्रयास करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसीलिए सरकार इस काम से जुड़े लोगों की शिक्षा, प्रशिक्षण और आय पर जोर दे रही है तथा बुनकरों और हस्तशिल्पियों के बच्चों की आकांक्षाओं को पंख दे रही है। उन्होंने बुनकरों के बच्चों के कौशल प्रशिक्षण के लिए कपड़ा संस्थानों में 2 लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति का उल्लेख किया। श्री मोदी ने बताया कि पिछले 9 वर्षों में 600 से अधिक हथकरघा क्लस्टर विकसित किए गए हैं और हजारों बुनकरों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा, "सरकार बुनकरों के काम को आसान बनाने, उनकी उत्पादकता बढ़ाने तथा गुणवत्ता और

डिजाइन में सुधार लाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।" प्रधानमंत्री इस बात का भी उल्लेख किया कि उन्हें कंप्यूटर संचालित पंचिंग मशीनें भी प्रदान की जा रही हैं जो तेज गति से नए डिजाइन बनाने में सक्षम बनाती हैं। उन्होंने कहा, "मोटर चालित मशीनों से ताना-बाना बुनना भी आसान होता जा रहा है। ऐसे अनेक उपकरण, ऐसी अनेक मशीनें बुनकरों को उपलब्ध कराई जा रही हैं।" उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि सरकार हथकरघा बुनकरों को रियायती दरों पर धागे जैसा कच्चा माल उपलब्ध करा रही है और कच्चे माल के परिवहन की लागत भी वहन कर रही है। प्रधानमंत्री ने मुद्रा योजना का भी जिक्र करते हुए कहा कि अब बुनकरों के लिए बिना गारंटी के ऋण प्राप्त करना संभव हो गया है।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के बुनकरों के साथ अपने संबंधों को याद किया और पूरे काशी क्षेत्र, जो उनका निर्वाचन क्षेत्र है, के हथकरघा उद्योग के योगदान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बुनकरों को अपने उत्पाद बेचने के क्रम में आने वाली आपूर्ति श्रृंखला और विपणन की चुनौतियों का जिक्र किया और कहा कि सरकार भारत मंडपम की तरह पूरे देश में प्रदर्शनियां आयोजित करके हस्तनिर्मित उत्पादों के विपणन पर विशेष ध्यान दे रही हैं। श्री मोदी ने बताया कि निशुल्क स्टॉल के साथ दैनिक भत्ता भी दिया जाता है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप्स और भारत के युवाओं की भी सराहना की, जिन्होंने कुटीर उद्योगों और हथकरघा द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए तकनीकों और पैटर्न के साथ-साथ विपणन के तौर-तरीकों में नवाचार प्रस्तुत किया है और कहा कि हथकरघा का भविष्य उज्ज्वल है। 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि हर जिले के विशेष उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, "ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए देश के रेलवे स्टेशनों पर विशेष स्टॉल भी निर्मित किये जा रहे हैं।" उन्होंने सरकार द्वारा राज्यों की हर राजधानी में विकसित किए जा रहे एकता मॉल का भी उल्लेख किया, जो राज्य और जिले के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देगा। इससे हथकरघा क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ होगा। श्री मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में बने एकता मॉल का भी जिक्र किया, जो पर्यटकों को भारत की एकता का अनुभव करने के साथ एक ही छत के नीचे किसी भी राज्य के उत्पाद खरीदने का अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री द्वारा अपनी विदेश यात्राओं के दौरान गणमान्य व्यक्तियों को दिए जाने वाले विभिन्न उपहारों के बारे में, उन्होंने कहा कि इन उपहारों की न केवल उनके द्वारा सराहना की जाती है, बल्कि जब उन्हें इनके बनाने वालों के बारे में जानकारी मिलती है तो उन पर गहरा प्रभाव भी पड़ता है।

जैम पोर्टल या सरकारी ई-मार्केटप्लेस के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि सबसे छोटा कारीगर, शिल्पकार या बुनकर भी अपना उत्पाद सीधे सरकार को बेच सकता है। उन्होंने बताया कि हथकरघा और हस्तशिल्प से संबंधित लगभग 1.75 लाख संगठन जैम से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, "यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि हथकरघा क्षेत्र के हमारे भाइयों और बहनों को डिजिटल इंडिया का लाभ मिले।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "सरकार अपने बुनकरों को दुनिया का सबसे बड़ा बाजार उपलब्ध कराने के लिए एक स्पष्ट रणनीति के साथ काम कर रही है।" उन्होंने कहा कि दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत के एमएसएमई, बुनकरों, कारीगरों और किसानों के उत्पादों को दुनिया भर के बाजारों तक पहुंचाने के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने ऐसी विभिन्न कंपनियों के प्रमुख व्यक्तियों के साथ हुई सीधी चर्चा पर प्रकाश डाला, जिनके पास दुनिया भर में बड़े स्टोर, खुदरा आपूर्ति श्रृंखला, ऑनलाइन प्लेटफार्म और दुकानें हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कंपनियों ने अब भारत के स्थानीय उत्पादों को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, "चाहे मोटे अनाज हों या हथकरघा उत्पाद, ये बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियां इन उत्पादों को दुनिया भर के बाजारों में ले जाएंगी।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उत्पाद भारत में बनाए जाएंगे और इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा आपूर्ति श्रृंखला का उपयोग किया जाएगा।

वस्त्र उद्योग और फैशन जगत से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने दुनिया की शीर्ष-3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने के लिए उठाए गए कदमों के साथ-साथ अपनी सोच और काम के दायरे को विस्तार देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत के हथकरघा, खादी और वस्त्र क्षेत्र को विश्व चैंपियन बनाने के लिए 'सबका प्रयास' की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, "चाहे श्रमिक हो, बुनकर हो, डिजाइनर हो या उद्योग हो, हर किसी को समर्पित प्रयास करना होगा।" उन्होंने बुनकरों के

कौशल को पैमाने और प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। भारत में नव-मध्यम वर्ग के उदय पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक उत्पाद के लिए एक विशाल युवा उपभोक्ता वर्ग बन रहा है और यह वस्त्र कंपनियों के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है। इसलिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और उसमें निवेश करना भी इन कंपनियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने भारत के बाहर तैयार कपड़े को आयात करने के दृष्टिकोण की निंदा की। उन्होंने स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला में निवेश करने और इसे भविष्य के लिए तैयार करने पर जोर दिया और कहा कि क्षेत्र से जुड़ी बड़ी कंपनियों को यह बहाना नहीं बनाना चाहिए कि इतने कम समय में यह कैसे संभव होगा। उन्होंने कहा,"यदि हम भविष्य में लाभ उठाना चाहते हैं तो हमें वर्तमान में स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला में निवेश करना होगा। यही विकसित भारत के निर्माण और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करने का तरीका है।" उन्होंने आगे कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का स्वदेशी से जुड़ा सपना इस रास्ते पर चलकर ही पूरा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, "जो लोग आत्मनिर्भर भारत के सपने बुनते हैं और 'मेक इन इंडिया' को ताकत देते हैं, वे खादी को सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि एक हथियार मानते हैं।"

9 अगस्त की प्रासंगिकता के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह तारीख - पूज्य महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत के सबसे बड़े आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन की गवाह रही है, जिन्होंने अंग्रेजों को भारत छोड़ने का संदेश दिया था। इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री ने कहा, अंग्रेजों को भारत छोड़ना होगा। प्रधानमंत्री ने आज की समय की मांग को रेखांकित किया क्योंकि देश इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों, जो विकसित भारत के निर्माण के संकल्प में बाधा बन गए हैं, को भगाने के लिए उसी मंत्र का उपयोग किया जा सकता है जिसका उपयोग कभी अंग्रेजों को भगाने किया गया था। श्री मोदी ने कहा, "पूरा भारत एक स्वर में कह रहा है - भ्रष्टाचार, वंशवाद, तुष्टिकरण भारत छोड़ो।" उन्होंने रेखांकित किया कि भारत में ये बुराइयां देश के लिए एक बड़ी चुनौती हैं और विश्वास जताया कि देश इन बुराइयों को पराजित कर देगा। उन्होंने कहा, "देश विजयी होगा, भारत के लोग विजयी होंगे।"

संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने उन महिलाओं के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताया, जिन्होंने वर्षों से तिरंगे की बुनाई के लिए खुद को समर्पित किया है। उन्होंने नागरिकों से तिरंगा फहराने और एक बार फिर से 'हर घर तिरंगा' मनाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अंत में कहा, "जब छतों पर तिरंगा फहराया जाता है, तो यह हमारे भीतर भी फहरता है।"

इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण तातु राणे व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पृष्ठभूमि

प्रधानमंत्री देश की कला और शिल्प कौशल की समृद्ध परंपरा को जीवित रखने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन और नीतिगत समर्थन देने के दृढ़ समर्थक रहे हैं। इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, सरकार ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाना प्रारंभ किया। इस तरह का पहला उत्सव 7 अगस्त 2015 को आयोजित किया गया था। स्वदेशी आंदोलन के लिए एक श्रद्धांजलि के रूप में इस तारीख को चुना गया था। स्वदेशी आंदोलन 7 अगस्त 1905 को शुरू हुआ था और इसने स्वदेशी उद्योगों, विशेष रूप से हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित किया था।

इस साल 9वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष के ई-पोर्टल को लॉन्च किया। यह कपड़ा और शिल्प का एक भंडार है, जिसे राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) द्वारा विकसित किया गया है।

कार्यक्रम में 3000 से अधिक हथकरघा और खादी बुनकर, कारीगर और कपड़ा और एमएसएमई क्षेत्रों के हितधारक भाग लिया। यह पूरे भारत में हथकरघा समूहों, निफ्ट परिसरों, बुनकर सेवा केंद्रों, भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान परिसरों, राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद, केवीआईसी संस्थानों और विभिन्न राज्य हथकरघा विभागों को एक साथ लाएगा।

❑❑

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मनाया 77 वां स्वतन्त्रता दिवस

खादी... अस्त्र-शस्त्र के साथ अब भारत की प्रगति का ब्रह्मास्त्र बनेगी

अध्यक्ष, केवीआईसी

9 वर्ष में खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 30,000 करोड़ रुपये से बढ़कर आज ये 1,30,000 करोड़ रुपए से भी अधिक तक पहुंच चुका है

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 15 अगस्त, 2023 को 77वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ मनाया। केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने केवीआईसी, मुख्यालय में ध्वजारोहण किया तथा विले पार्ले (पश्चिम) स्थित खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा तिरंगा रैली का भी आयोजन किया गया जिसकी अगुवाई आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने की।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए माननीय अध्यक्ष, केवीआईसी ने कहा कि आसमान में लहराता हुआ ये तिरंगा महज़ एक कपड़े का टुकड़ा नहीं है; यह उन अनगिनत आजादी के परवानों के बलिदान, संघर्ष और सपनों का प्रतीक है जो एकता और अटूट दृढ़ संकल्प की शक्ति में विश्वास करते थे। जिन्होंने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के मूल्यों से युक्त एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण का स्वप्न देखा। आज उन सभी बलिदानियों का सपना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। उन्होने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा-2.0 और मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम ने पूरे देश में राष्ट्रवाद की लौ जलाई है।

खादी के गौरवशाली इतिहास पर बात करते हुए उन्होने कहा कि स्वतंत्रता से स्वायत्तता तक खादी जहां एक तरफ पूज्य बापू के नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन का स्वाभिमान बनी, वहीं आज वो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत' का अभिमान है। उन्होने कहा कि बापू ने स्वदेशी आंदोलन के दौरान ब्रिटिश हुकूमत के विरूद्ध संघर्ष का सबसे मजबूत हथियार बनाया, उसी खादी को 'आधुनिक भारत के शिल्पकार' और 'आत्मनिर्भर भारत के रचनाकार' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद गरीबी निर्मूलन, कारीगर

सशक्तिकरण, खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और बेरोजगारी उन्मूलन का सबसे सशक्त, सक्षम और सफल माध्यम बना दिया है। माननीय प्रधानमंत्री ने खादी को एक वस्त्र तक सीमित न रखते हुए गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, ग्रामीण भारत के विकास, महिला सशक्तिकरण, कारीगरों के उत्थान के लिए अस्त्र और शस्त्र बना दिया है। माननीय अध्यक्ष ने 7 अगस्त, 2023 को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिये गए सम्बोधन के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि "जिसको स्व पर अभिमान होगा, जिसे स्वदेश पर अभियान होगा, उसके लिए खादी वस्त्र है, लेकिन साथ-साथ जो आत्मनिर्भर भारत के सपने बुनता है, जो मेक इन इंडिया को बल देता है, उसके लिए खादी सिर्फ वस्त्र नहीं, अस्त्र भी है और शस्त्र भी है।" उन्होने देश की आर्थिक प्रगति मे खादी और ग्रामोद्योग के योगदान पर कहा कि कि खादी अस्त्र-शस्त्र के साथ अब भारत की प्रगति का ब्रह्मास्त्र बनेगा। प्रधानमंत्री जी ने स्वयं मंच से कहा था कि 9 वर्ष पहले खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 25 से 30 हजार करोड़ रुपये के बीच था, लेकिन आज ये एक लाख तीस हजार करोड़ रुपए से भी अधिक तक पहुंच चुका है। पिछले 9 वर्षों में अतिरिक्त 1 लाख करोड़ रुपये इस सेक्टर में आए हैं, ये पैसा गांवों में खादी और ग्रामोद्योग सेक्टर से जुड़े गरीब, दलित, पिछड़े, अति पिछड़े और आदिवासी समाज से जुड़े भाइयों-बहनों के पास गया हैं, जिसने उन्हें गरीबी रेखा से बाहर निकालने और खाद्य सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई है। नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 5 सालों में 13.5 करोड़ लोग भारत में गरीबी से बाहर निकले हैं।खादी और ग्रामोद्योग की उपलब्धियों बताते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2013-14 से खादी कारीगरों की मजदूरी में अब तक लगभग 233% की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2014-15 में जहां खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 33 हजार करोड़ रुपये था, वहीं 306% वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 1.34 लाख करोड़ रुपये के

शेष पृष्ठ...26 पर

केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड, केरल के बिक्री केंद्र का उद्घाटन और कारीगरों को टर्न वुड क्राफ्ट उपकरण और टूल किट का वितरण

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने दिनांक 16.08.2023 को खादी ग्रामोद्योग भवन, केरल के बिक्री केंद्र का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री मनोज कुमार ने भवन के बिक्री प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी कि वर्ष 2022-23 के दौरान इसमें रु.4.00 करोड़ की बिक्री हुई है और उम्मीद है कि नवीनीकरण के बाद आगामी वर्ष 2023-24 में खादी और ग्रामोद्योग की रु.6.5 करोड़ से अधिक की बिक्री होगी। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि विशेष रूप से कोल्लम, त्रिशूर और कन्नूर में रु.55.00 लाख की लागत वाले केकेवीआईबी के 03 प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। नवीनीकरण के बाद, इन 03 भवनों का प्रदर्शन वर्तमान बिक्री से 30% अधिक बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-23 में केवीआईसी के बिक्री केन्द्रों हेतु नवीनीकरण योजना के अंतर्गत परियोजना कार्यालय, खादी ग्रामोद्योग भवन, केकेवीआईबी, कलूर, एर्नाकुलम को स्वीकृति प्रदान की गई थी और उसे रु.21.25 लाख राशि जारी की गई थी, जिससे वर्ष 2023-24 में यह पूरा हो गया है।

उन्होंने दोहराया कि माननीय प्रधान मंत्री की "स्वदेशी" विशेष रूप से खादी को बढ़ावा देने और खरीदने की लगातार अपील का खादी उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में जबरदस्त प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि

हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समर्थन के कारण हर साल खादी क्षेत्र के उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हो रही है।

खादी ग्रामोद्योग विद्यालय, मल्ला पल्ली, पथानामथिट्टा के एक अन्य समारोह में, उन्होंने ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत केजीवी, मल्लापल्ली में प्रशिक्षित 20 कारीगरों को कुल रु.4,88,328/- (प्रत्येक हेतु रु.24, 416.40) के टर्न वुड क्राफ्ट उपकरण और टूल किट भी वितरित किए।

इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि कुशल उद्यमियों के लिए आकाश भी सीमित है। उन्होंने कहा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, केवीआईसी देश में खादी संस्थाओं और विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्थापित इकाइयों के माध्यम से स्व-सतत रोजगार के अवसर प्रदान कर और खादी ग्रामोद्योग वस्तुओं का उत्पादन कर भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है।

उन्होंने दोहराया कि जिन लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है, उन्हें स्व-रोजगार के लिए अपना उद्यम स्थापित कर दूसरों को रोजगार का अवसर प्रदान करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि केवीआईसी उद्यम स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है और बिक्री केन्द्रों, प्रदर्शनियों के साथ-साथ अन्य मेलों आदि के माध्यम से उनके उत्पादों की बिक्री हेतु अवसर प्रदान कर सहायता कर रहा है।

उन्होंने कहा कि केवीआईसी हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" के विजन को कार्यान्वित करने पर काम कर रहा है। यह प्रशिक्षण केंद्र, सीएचए एसएस की अग्रणी इकाई में से एक है। यह केवीआईसी के वित्तीय सहयोग से आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार हर साल 200 से अधिक कारीगरों और उद्यमियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

उद्घाटन समारोह में श्रद्धेय थॉमस थरायील, अक्जिलियरी बिशप, चंगना चेरी महाधर्मप्रांत, केकेवीआईबी के उपाध्यक्ष, केवीआईसी और केवीआईबी के वरिष्ठ अधिकारियों, केरल खादी बोर्ड के कर्मचारियों और कारीगरों ने भाग लिया।

पथनामथिट्टा में आयोग के अध्यक्ष द्वारा टर्न वुड क्राफ्ट उपकरण और टूल किट का वितरण

आयोग के माननीय अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार की अध्यक्षता और श्रद्धेय थॉमस थरायील, अक्जिलियरी बिशप, चंगना चेरी महाधर्मप्रांत की उपस्थिति में दिनांक 16 अगस्त, 2023 को खादी ग्रामोद्योग विद्यालय, मल्लपल्ली, पथनामथिट्टा में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत कारीगरों को टर्न वुड क्राफ्ट उपकरण और टूल किट के वितरण के संबंध में एक बैठक/समारोह का आयोजन किया गया।

माननीय अध्यक्ष ने केजीवी, मल्लापल्ली में प्रशिक्षित 20 कारीगरों को कुल रु.4,88,328/- (प्रत्येक हेतु रु.24,416.40) के टर्न वुड क्राफ्ट उपकरण और टूल किट भी वितरित किए। इस समारोह में 150 से अधिक केवीआई कारीगरों, खादी ग्रामोद्योग विद्यालय और चंगनाचेरी सामाजिक सेवा सोसायटी के कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस बैठक में केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारी, मल्लापल्ली ग्राम पंचायत के अध्यक्ष, सीएचए एसएस, चंगनाचेरी के अध्यक्ष और सचिव भी शामिल हुए।

माननीय अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पीएमईजीपी सहित आयोग की खादी और ग्रामोद्योग योजनाओं तथा खादी ग्रामोद्योग कारीगरों और व्यक्तिगत उद्यमियों को रोजगार और वित्तीय लाभ प्रदान करने संबंधी सहायता पर प्रकाश डाला।

उपरोक्त प्रशिक्षण केंद्र सीएचएएसएस की अग्रणी इकाई में से एक है। यह केन्द्र, केवीआईसी के वित्तीय सहयोग से, आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार हर साल 200 से अधिक कारीगरों और उद्यमियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

आयोग के अध्यक्ष का तमिलनाडु राज्य का दौरा

केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा खादी ग्रामोद्योग की गतिविधियों का उद्घाटन और दक्षिण भारत के लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कई योजनाओं की शुरूआत

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने तमिलनाडु यात्रा के दौरान खादी ग्रामोद्योगी योजनाओं के माध्यम से खादी ग्रामोद्योग की कई गतिविधियों का उद्घाटन किया और इस यात्रा के दौरान खादी कारीगरों के साथ बातचीत की।

19 अगस्त, 2023 को एसआईटीआरए, कोयंबटूर में आयोजित खादी कारीगर सम्मेलन की अध्यक्षता करते समय, उन्होंने पिछले 2 दिनों में तमिल लोगों द्वारा दिए गए प्यार और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह आयोजन न केवल खादी कारीगर सम्मेलन है, बल्कि उनके और ग्रामीण कारीगरों के बीच हार्दिक बात- चीत (मन की बात) भी है। उन्होंने आगे बताया कि खादी गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी के विरुद्ध

एक हथियार के रूप में काम करती है, साथ ही गांवों में विकास और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में भी योगदान देती है।

उन्होंने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कत्तिनों और बुनकरों को प्रमाण पत्र और मोमेंटों देकर सम्मानित किया, साथ ही वेस्ट वुड क्राफ्ट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले लगभग 40 वुड क्राफ्ट कारीगरों को टूल किट और उपकरण वितरित किए। केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ श्री पी.वासुदेवन, निदेशक एसआईटीआरए, तमिलनाडु सर्वोदय संघ के अध्यक्ष श्री राजू और तमिलनाडु सर्वोदय संघ के सचिव श्री सरवनन तथा 800 ग्रामीण कारीगरों ने सम्मेलन में भाग लिया।

उक्त कार्यक्रम के दौरान माननीय अध्यक्ष द्वारा पीएमईजीपी लाभार्थियों की सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तिका का अनावरण किया गया।

अपने संबोधन में माननीय अध्यक्ष ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 13.05 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोगों के सपने हकीकत में बदल रहे हैं। श्री मनोज कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में खादी राष्ट्रीय आंदोलन का गौरव थी, अब यह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में 'आत्मनिर्भर भारत' की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "जिस तरह गांधीजी ने खादी को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक शक्तिशाली हथियार के रूप में उपयोग किया था, माननीय प्रधान मंत्री मोदी ने खादी को गरीबी उन्मूलन, कारीगरों को सशक्त बनाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, महिलाओं की

सामाजिक स्थिति सुधारने और बेरोजगारी दूर करने के एक शक्तिशाली और सफल हथियार के रूप में बदल दिया है।" माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों से खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों को खरीदने और इस क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु आह्वान किया है, जिसके कारण वर्ष 2014 से इस क्षेत्र में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। पिछले 9 वर्षों में खादी के उत्पादन में 260% और खादी की बिक्री में 450% वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2022-23 के दौरान तमिलनाडु में खादी संस्थाओं ने रु.262.55 करोड़ का उत्पादन और रु.466.77 करोड़ की बिक्री की है, जिससे 14,396 कारीगरों को निरंतर रोजगार प्रदान करने में सहायता मिली है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि उत्पादन को रु.303.39 करोड़ और बिक्री को रु.477.02 करोड़ तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। उन्होंने आगे बताया कि केवीआईसी ने खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 9.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए है।

अपने दौरे में माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार, केवीआईसी ने कलापेट में पीएमईजीपी इकाई, गांधीग्राम और डिंडीगुल में गांधीग्राम खादी ग्रामोद्योग पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट में नए नवीनीकृत बिक्री केंद्र तथा रामनाथपुरम जिला सर्वोदय संघ, श्रीविल्लिपुथुर के नवनिर्मित वर्कशेड में केआरडीपी योजना के अंतर्गत यार्न डाइंग यूनिट के एक सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) का उद्घाटन किए तथा क्रमशः 17 अगस्त 2023 और18 अगस्त, 2023 को ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत 25 अपशिष्ट लकड़ी शिल्प कारीगरों को टूल किट और उपकरण और 10 कारीगरों को पेडल संचालित अगरबत्ती मशीनें वितरित किए।

इस उद्घाटन के बाद, माननीय अध्यक्ष ने खादी कारीगरों की बैठक के दौरान खादी कत्तीनों और बुनकरों के साथ बातचीत की और मदुरै में मदुरै जिला सर्वोदय संघ के खादी ग्रामोद्योग भवन का दौरा किया। प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसके अंतर्गत सूक्ष्म और लघु इकाइयों की स्थापना कर ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सतत रोजगार प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत विनिर्माण गतिविधि के लिए कुल परियोजना लागत रु.50.00 लाख और सेवा गतिविधि के लिए रु.20.00 लाख है तथा आवेदक की सामाजिक श्रेणी और इकाई के स्थान के आधार पर 15% से 35% तक की सब्सिडी प्रदान की जाती है। ❑❑

"आत्मनिर्भर भारत" को सशक्त बनाना: एक कदम आगे बढ़ाते हुए 'खादी रक्षासूत' (खादी-राखी) की शुरूआत

दिनांक: 23 अगस्त 2023 को श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने नई दिल्ली में रक्षा बंधन के उपलक्ष्य में 'खादी रक्षासूत' लॉन्च किया।

यह 'खादी रक्षासूत' (खादी-राखी) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तत्वावधान में पेश किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 7 अगस्त, 2023 को प्रगति मैदान नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने आगामी उत्सव समारोहों के लिए खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का चयन करके ग्रामीण कारीगरों का तहेदिल से समर्थन करें जिससे भारत के सुदूर ग्रामीण भागों में रोजगार के इष्टतम अवसर सुनिश्चित हो सकें।

इस अवसर पर, श्री मनोज कुमार ने कहा कि 'खादी रक्षासूत' की विशिष्टता ग्रामीण भारत की समर्पित स्पिनर बहनों द्वारा इसके निर्माण में निहित है, जो चरखे पर कई धागे कातती हैं। यह उत्पाद पूरी तरह से प्राकृतिक है, किसी भी रासायनिक योजक से रहित है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर के ग्रामोद्योगिक विकास संस्थान द्वारा तैयार की गई राखी स्वदेशी गौ माता के गोबर से बनाई गई है। इसके अतिरिक्त,

इसमें तुलसी, टमाटर, बैंगन के बीज शामिल करने से इसकी संरचना और भी बढ़ जाती है। इसके निर्माण के पीछे की अवधारणा इस धारणा पर आधारित है कि, जब इसे धरती में डाला जाएगा, तो इसमें से तुलसी, टमाटर और बैंगन के पौधे उग आएंगे। देश के विभिन्न राज्यों में तैयार किए गए ऐसे ढेर सारे खादी रक्षासूत अब नई दिल्ली के खादी भवन में खरीदने के लिए उपलब्ध हैं, प्रत्येक की कीमत रु.20 से लेकर रु.250 तक है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री मनोज कुमार ने कहा कि इस वर्ष 'खादी रक्षासूत' को एक 'पायलट परियोजना' पहल के रूप में पेश किया जा रहा है, जो विशेष रूप से नई दिल्ली में खादी भवन में उपलब्ध है। भविष्य को देखते हुए, आगामी वर्ष में देश भर में 'खादी रक्षासूत' लॉन्च करने हेतु व्यापक तैयारी चल रही है।

उन्होंने जनता से अपील की कि वे खादी के माध्यम से भारत की राष्ट्रीय विरासत की उल्लेखनीय अभिव्यक्ति 'खादी रक्षासूत' को अपनाएं। ऐसा करके, वे न केवल भारत की शानदार विरासत को संरक्षित करेंगे, बल्कि हमारे सम्मानित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा परिकल्पित 'आत्मनिर्भर भारत' के विज़न में भी सक्रिय रूप से योगदान देंगे।

श्री मनोज कुमार ने खादी के महत्व पर प्रकाश डाला, जो हमारी राष्ट्रीय विरासत का प्रतीक है, और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी ने नवयुग का अनुभव किया है और पिछले नौ वर्षों में अपने 'स्वर्ण युग' में प्रवेश किया है। पिछले वित्त वर्ष में, खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों से राजस्व रु.1.34 लाख करोड़ को पार कर गया। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में, खादी ने 9.5 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि खादी के इस नई शक्ति के साथ, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'नए भारत की नई खादी' को न केवल कपड़ों के प्रतीक के रूप में, बल्कि एक 'हथियार' के रूप में भी गढ़ा है। यह हथियार गरीबी के खिलाफ, कारीगरों को सशक्त बनाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और बेरोजगारी को खत्म करने की दिशा में है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 से प्रारंभ हुए अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के माध्यम से हमारे देश के नागरिकों को खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस प्रयास का प्रभाव उल्लेखनीय रहा है, खादी उद्योग एक परिवर्तनकारी पुनरुत्थान के दौर से गुजर रहा है।

वर्ष 2013-14 से पहले जो सेक्टर कभी गिरावट में था, उसमें अब उसमें एक नई जान फूंकी गई है। ग्रामीण कारीगरों की दक्षता को न केवल मान्यता मिल रही है, बल्कि उन्हें अपने शिल्प कौशल के लिए उचित मुआवजा भी मिल रहा है। कारीगरों को आर्थिक रूप से ऊपर उठाने की इस प्रतिबद्धता के अनुरूप, केवीआईसी ने 'खादी रक्षासूत ' को बाजार में पेश किया है। जैसा कि रक्षाबंधन का शुभ अवसर करीब हैं, यह न केवल त्योहार मनाते हुए अपनी कलाई पर खादी रक्षासूत बांधने का अवसर है, बल्कि ग्रामीण भारत की महिला कारीगरों के चेहरे पर एक नई मुस्कान लाने का भी मौका है।

❑❑

आयोग के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार द्वारा कारीगरों को सशक्त बनाने हेतु उपकरण और मशीनरी का वितरण: केवीआईसी की ग्रामोद्योग विकास योजना के माध्यम से प्रधान मंत्री का विज़न साकार हुआ

पारंपरिक शिल्प में क्रांतिकारी बदलाव: 210 लाभार्थियों को उपकरण और मशीनरी का वितरण

13 अगस्त 2023: आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार के कुशल नेतृत्व में और दूरदर्शी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है। उत्साह और उद्देश्य के साथ केवीआईसी ने 210 लाभार्थियों को आवश्यक उपकरण और मशीनरी वितरित की, जो कारीगरों को सशक्त बनाने और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन की अभिव्यक्ति ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक चॉक, लेदर टूल किट, वेस्ट वुड क्राफ्ट और टर्न वुड क्राफ्ट मशीनों का वितरण किया गया। परंपरा और आधुनिकता के संश्लेषण के प्रमाण यह उपकरण झुम्पा कला, गुरेरा, सिवानी, बरूवा, चौड़ जैसे गांवों के कारीगरों के हाथों में पहुंच गए। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री मनोज कुमार की उपस्थित थे , जिनका ग्रामोद्योग और शिल्प कौशल के प्रति समर्पण अटूट रहा है। श्री कुमार ने खादी के पुनरुत्थान की प्रशंसा की, जो कभी भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रकाशस्तंभ था, वह अब "ग्लोबल ब्रांड" के रूप में विकसित हुआ है। नीति आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में खादी ने पिछले पांच वर्षों में 13.5 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ये वितरण केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि परिवर्तनकारी हैं। देश भर में 25,000 से अधिक इलेक्ट्रिक व्हील सेट पहले ही वितरित किए जा चुके हैं, कुम्हारों की आय आसमान छू रही है, जो जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के गहरे प्रभाव को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के माध्यम से देश भर में 6844 कुटीर उद्योगों को रु.300

शेष पृष्ठ...21 पर

नई दिल्ली के लाल किला में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए विशेष अतिथि के रूप में खादी कारीगरों और 18 विविध शिल्प श्रेणियों के कारीगरों को आमंत्रित किया गया

13 अगस्त, 2023 को इस वर्ष नई दिल्ली के लाल किला में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले देश भर से लगभग 1800 विशेष आमंत्रितों की उपस्थिति देखी जाएगी। भारत सरकार ने उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण समारोह के लिए और इस अवसर पर राष्ट्र के नाम उनके संबोधन को सुनने के लिए आमंत्रित किया है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने इस वर्ष देश भर से 50 खादी कारीगरों और 18 विविध शिल्प श्रेणियों से 62 कारीगरों (विश्वकर्मा) को उनके जीवनसाथी के साथ नई दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। 15 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली के लाल किले में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण में भाग लेने के बाद वे केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे के निवास पर आयोजित समारोह में शामिल होंगे।

समूचे भारत से खादी कारीगरों और विश्वकर्माओं को आमंत्रित करने और समारोह का भाग बनाने की पहल सरकार द्वारा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए की गई है।

पृष्ठ 20 से आगे....

आयोग के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार द्वारा कारीगरों को सशक्त बनाने हेतु उपकरण और मशीनरी का वितरण....

करोड़ की पर्याप्त मार्जिन मनी सब्सिडी के वितरण का भी जश्न मनाया गया। यह अवसर पैदा करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अध्यक्ष श्री मनोज कुमार के समापन शब्दों ने इस दृष्टिकोण को समझाया: "हमारा आत्मनिर्भर भारत एक वैश्विक प्रेरणा के रूप में खड़ा है। आइए हम 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर वर्ल्ड' लोकाचार को अपनाएं, स्थानीय प्रतिभा को वैश्विक प्रभाव में परिवर्तित करें, जैसा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कल्पना की है।

इस कार्यक्रम में हरियाणा सरकार और केवीआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया, जो इन परिवर्तनकारी

पहल को चलाने वाले एकजुट प्रयासों का उदाहरण है।

हाथ में उपकरण और दिल में आकांक्षाओं के साथ, लाभार्थी एक ऐसा भविष्य बनाने हेतु एक यात्रा पर निकले हैं, जहां विरासत और नवाचार एकजुट होते हो और जो देश भर के गांवों के लिए राह प्रशक्त करते हो। ❑❑

आयोग के अध्यक्ष द्वारा दौसा में 120 कुम्हारों को विद्युत चालित चाक और 40 कारीगरों को टर्नवुड क्रॉफ्ट मशीनों और टूलकिट का वितरण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने दौसा की माननीया सांसद श्रीमती जसकौर मीणा की उपस्थिति में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत 120 कुम्हारों को विद्युत चालित चाक और 40 कारीगरों को टर्नवुड क्रॉफ्ट मशीनों और टूलकिट का वितरण किया। दौसा के गांव बालाहेडी में आयोजित वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि माननीया सांसद दौसा श्रीमती जसकौर मीणा ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पिछले 9 वर्षों में ऐतिहासिक काम किया है। ग्रामीण भारत में रोजगार सृजन के क्षेत्र में केवीआईसी महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर रहा है। कार्यक्रम में केवीआईसी के उत्तर क्षेत्र के सदस्य श्री नागेंद्र रघुवंशी उपस्थित रहे।

वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जिस खादी को पूज्य बापू ने स्वदेशी आंदोलन के दौरान ब्रिटिश हुकूमत के विरूद्ध संघर्ष का सबसे मजबूत हथियार बनाया, उसी खादी को 'आधुनिक भारत के शिल्पकार' और 'आत्मनिर्भर भारत के रचनाकार' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 9 वर्षों में गरीबी निर्मूलन, कारीगर सशक्तिकरण, खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और बेरोजगारी उन्मूलन का सबसे सशक्त, सक्षम और सफल 'अस्त्र और शस्त्र' बनाया है। उन्हीं के नेतृत्व में पिछले वित्त वर्ष में इतिहास रचते हुए खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

अध्यक्ष श्री मनोज कुमार के अनुसार 2014 के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और प्रयासों का परिणाम है कि सिर्फ 9 वर्षों में खादी आज 'ग्लोबल ब्रांड' बन चुकी है। नीति आयोग के आंकड़े का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों में 13.5 करोड़ लोग भारत में गरीबी से बाहर निकले हैं। गांवों में लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में खादी ने भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अहम योगदान दिया है। केवीआईसी ने

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 9 लाख 54 हजार 899 नये रोजगार का सृजन किया है।

लाभार्थियों और गांववालों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में केवीआईसी द्वारा ग्रामोद्योग विकास योजना के अन्तर्गत भारतीय परम्परागत उद्योगों के कामगारों को टूल्स एवं मशीनरी का वितरण किया जा रहा है, जिससे परम्परागत उद्योगों के कामगारों की आय में वृद्वि से उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार हो। अभी तक पूरे देश में कुम्हारों को 25,000 से अधिक विद्युत चालित चाकों का वितरण किया जा चुका है, जिससे कुम्हारों की आय में तीन से चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि हमें मेक इन इंडिया के साथ-साथ मेक फॉर वर्ल्ड के मंत्र के साथ आगे बढ़ना है, तभी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लोकल टू ग्लोबल विजन साकार हो पाएगा।

वितरण कार्यक्रम में कुम्हार सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत राजस्थान के दौसा, अलवर, भरतपुर और करौली के 120

कुम्हारों को विद्युत चालित चॉक प्रदान किये गये। सभी लाभार्थियों को 10 दिन की निःशुक्ल ट्रेनिंग दी गई है। साथ ही टर्नवुड क्रॉफ्ट के 40 कारीगरों को 20 दिन की निःशुक्ल ट्रेनिंग के बाद मशीनों और टूलकिट का वितरण किया गया है। जिसके माध्यम से अब ये कारीगर 25 से 35 हजार रुपये तक प्रति महीना आजीविका कमा सकेंगे।

लाभार्थियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि राजस्थान में 158 खादी की संस्थाएं कार्यरत हैं जिसके माध्यम से 30 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत राजस्थान में अभी तक 30083 पीएमईजीपी की इकाईयां स्थापित की गई हैं, जिन्हें भारत सरकार की तरफ से 860 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण

किया गया है। दौसा में पिछले 6 वर्षों में करीब 670 इकाइयों की स्थापना हुई है, जिनको मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में 17.47 करोड़ रुपए की वित्तिय सहायता दी गई है, जिसके माध्यम से 5360 लोगों को रोजगार मिल रहा है। अध्यक्ष श्री मनोज कुमार के अनुसार पीएमईजीपी के अंतर्गत पूरे देश में करीब 22 हजार करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण किया जा चुका है। वित्त वर्ष 2008-09 से 2022-23 के बीच 8.69 लाख परियोजनाओं की स्थापना कर करीब 50 लाख से अधिक नये रोजगार का अवसर प्रदान किया गया। वितरण कार्यक्रम में राजस्थान सरकार और के.वी.आई.सी के अधिकारी और कर्मचारीगण मौजूद रहे।

खादी प्लाजा, उद्योग भारती संस्थान-गोंडल, राजकोट में खादी कारीगर सम्मेलन एवं खादी राखी कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 30.08.2023 को रक्षाबंधन महोत्सव के अवसर पर खादी कारीगर सम्मेलन एवं खादी राखी कार्यक्रम का आयोजन खादी प्लाजा, उद्योग भारती संस्था, ता. गोंडल, जिला-राजकोट, गुजरात में किया गया।

इस अवसर पर पूरे गुजरात राज्य के विभिन्न खादी संस्थानों की महिला स्पिनरों ने "खादी रक्षा सूत" लेकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया और श्री मनोज कुमार, माननीय अध्यक्ष, केवीआईसी, एमएसएमई (भारत सरकार) की कलाई पर रक्षा सूत बांधा।

कारीगर सम्मेलन और खादी राखी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय अध्यक्ष, केवीआईसी ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केवीआईसी लगातार ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के साधन प्रदान करके आत्मनिर्भर बना रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 9 वर्षों में चरखे पर सूत कातने वाले कारीगरों, जिसमें सबसे ज्यादा स्पिनर महिलाएं हैं, के पारिश्रमिक में 233% से अधिक की वृद्धि हुई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की अधिकांश महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी राष्ट्रीय विरासत खादी 'लोकल से ग्लोबल' हो गई है। पिछले 9 वर्षों में खादी ने अपना 'स्वर्ण युग' देखा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। इस वित्तीय वर्ष में भी खादी ने 9.54 लाख से ज्यादा नई नौकरियां पैदा कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने आगे कहा कि खादी की इसी नई ताकत को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'नए भारत की नई खादी' को कपड़ों के साथ-साथ एक 'अस्त्र' के रूप

शेष पृष्ठ...26 पर

महिला कारीगरों ने बांधी केवीआईसी अध्यक्ष की कलाई पर राखी

31 अगस्त, 2023 को देशभर में राखी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाई बहन के प्रेम के प्रतीक के रूप मे मनाये जाने वाले रक्षाबंधन के इस त्योहार को भारत मे महाभारत काल से मनाया जा रहा है।

इस पावन अवसर पर देश के विभिन प्रांतो से आई कारीगर बहनों ने खादी भवन नई दिल्ली आकार खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार को खादी रक्षा सूत बांधकर रक्षा बंधन का त्योहार मनाया।

उल्लेखनीय है कि, हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में नागरिकों से आग्रह किया था कि वे अपने आगामी त्योहारों के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का चयन करके ग्रामीण कारीगरों का समर्थन करें, जिससे भारत के सुदूर ग्रामीण भागों में रोजगार के सर्वोत्तम अवसर सुनिश्चित हो सकें। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान मे देश की आबादी के 50 प्रतिशत आबादी के विकास की बात कही है।

इससे प्रेरित होकर देश के कोने कोने मे खादी का काम करने वाली महिला कारीगरों ने खादी राखी बनाने का कार्य शुरू कर दिया तथा अपने स्नेह के प्रतीक रक्षा सूत को आयोग के अध्यक्ष की कलाई मे बांधा।

इस भावनातमाक अवसर पर बात करते हुए श्री मनोज कुमार ने दोहराया कि 'खादी रक्षासूत' की विशिष्टता ग्रामीण भारत की समर्पित स्पिनर बहनों द्वारा इसके निर्माण में निहित है, जो चरखे पर कई सूत कातने का काम करती हैं। यह उत्पाद पूरी तरह से प्राकृतिक है, किसी भी रासायनिक घटक से

शेष पृष्ठ...26 पर

पृष्ठ 25 से आगे.....

महिला कारीगरों ने बांधी केवीआईसी अध्यक्ष की कलाई पर राखी.....

रहित है। देश के विभिन्न राज्यों में तैयार की गई ऐसी खादी राखियां अब नई दिल्ली के खादी भवन में खरीद के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिनमें से प्रत्येक की कीमत 20 रुपये से 250 रुपये तक है।

उन्होने बताया कि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग स्वदेशी को प्रोत्साहित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्म निर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के लिए अपना सर्वोत्तम योगदान दे रहा है जिसके लिए आयोग द्वारा क्रियान्वित पीएमईजीपी जैसी प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत ऋण राशि पर 35 प्रतिशत तक की अनुदान राशि प्रदान कर रहा है तथा खादी गतिविधियों मे जुड़ी 80 प्रतिशत कारीगर महिलाएं ही हैं। उन्होंने महिलाओं में गरीबी, अशिक्षा और खराब स्वास्थ्य उन्मूलन को सर्वोपरि महत्व देते हुए कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के माध्यम से उनकी क्षमता पूर्ति की कामना की।

❑❑

पृष्ठ 24 से आगे.....

उद्योग भारती, खादी प्लाजा, गोंडल संस्थान, राजकोट में खादी कारीगर सम्मेलन एवं खादी राखी कार्यक्रम.....

में परिभाषित किया है। ये गरीबी उन्मूलन, कारीगर सशक्तिकरण, खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और बेरोजगारी उन्मूलन के खिलाफ हथियार हैं। कार्यक्रम के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों से आयीं खादी महिला कत्तिनों ने केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार को 'खादी रक्षासूत्र' बांधा और देश की प्रगति की कामना की। इस अवसर पर केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष ने कहा कि उनकी कलाई पर बंधी स्वदेशी 'खादी रक्षा सूत्र' इस बात का प्रतीक है कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा भारत तेजी से एक भरोसे के साथ आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। कार्यक्रम के दौरान केवीआईसी, गुजरात के राज्य निदेशक, गुजरात खादी संस्था संघ के अध्यक्ष, खादी फेडरेशन के अध्यक्ष, गुजरात के खादी संस्थानों के प्रतिनिधि, केवीआईसी के अधिकारी एवं कर्मचारीगण और खादी कार्यकर्ता और महिला कत्तिन कार्यक्रम में उपस्थित थे।

❑❑

पृष्ठ 11 से आगे....

आयोग ने मनाया 77 वां स्वतन्त्रता दिवस.....

उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इसी तरह से वित्तीय वर्ष 2014-15 में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का उत्पादन जहां 27 हजार करोड़ रुपये था वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह 248% प्रतिशत के उछाल के साथ 95 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पिछले 9 वर्षों में खादी वस्त्र के उत्पादन में भी 260 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है, जबकि बिक्री में 450 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अध्यक्ष महोदय ने आगे कहा, बेरोजगारी उन्मूलन 'शस्त्र' के रूप में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश में रोजगार सृजन में भी नया मील का पत्थर स्थापित किया है। खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, स्फूर्ति (SFURTI) योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के माध्यम से 70% की वृद्धि के साथ केवीआईसी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान साढ़े 9 लाख से अधिक नये रोजगार का सृजन किया है। पिछले 9 वर्ष की बात करें तो हमारी योजनाओं के माध्यम से करीब 50 लाख से अधिक नये लोगों को अबतक रोजगार मिल चुका है। माननीय अध्यक्ष ने भविष्य में कुछ नयी योजनाओं की संभावना पर बात करते हुए बताया कि खादी को लोकप्रिय बनाने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT) की मदद से पहली बार खादी डेनिम तैयार किया गया है जो जल्द ही खादी के स्टोर पर मिलने लगेगा। इसी तरह मणिपुर के कारीगरों द्वारा कमल के फूल के तने से तैयार किए गए सिल्क वस्त्र "लोटस सिल्क" को जल्द ही बजार मे विक्रय हेतु उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त केवीआईसी कुशल कारीगर विकास योजना नाम से एक नई योजना लांच करने जा रहा है। इसके अंतर्गत सर्विस सेक्टर के तहत आनेवाले इलेक्ट्रीशियन्स, प्लंबर्स, चायवाले, मोबाइल व एसी रिपेयरिंग और मेंटेनेंस की ट्रेनिंग के साथ टूलकिट प्रदान किये जाएंगे। अपने सम्बोधन में उन्होने माननीय प्रधानमंत्री की प्रेरणा से ग्रामीण क्षेत्र में नारीशक्ति को अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के लिए ग्रामीण सिलाई समृद्धि योजना की शुरुआत शीघ्र करने की बात कही इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को ट्रेनिंग के साथ ही सिलाई मशीनें प्रदान करने की जाएंगी।

इस अवसर पर आयोग के सदस्य श्री शिरीष केदारे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनीत कुमार, वित्तीय सलाहकार श्री पंकज बोडखे, मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. संघमित्रा, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्य नारायण एवं बड़ी संख्या में आयोग के

❑❑

केवीआईसी, मुंबई में जेम पोर्टल (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) के नवीनतम अपडेट पर निवारक सतर्कता के तहत प्रशिक्षण

क्षमता निर्माण के समन्वय से सतर्कता निदेशालय द्वारा 11.08.2023 को केवीआईसी, मुख्यालय, मुंबई में सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) और खरीद में निवारक सतर्कता पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में केवीआईसी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया और उसकी सराहना की, क्योंकि इससे उन लोगों को फायदा होगा जो जेम पोर्टल पर खरीद से जुड़े हैं और उन्हें खरीद प्रक्रिया, प्रशासन और निवारक उपायों की जटिलताओं को जानने की जरूरत है। यह प्रशिक्षण, प्रशिक्षण विधियों पर केंद्रित था जिसमें व्याख्यान, समूह चर्चा और विस्तृत प्रस्तुतियाँ शामिल थी। प्रशिक्षण, जेम पोर्टल के प्रशिक्षक/बिजनेस फैसिलिटेटर श्री निखिल पाटिल द्वारा दिया गया और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 80 से अधिक लाभार्थियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण की अध्यक्षता करते हुए, केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी श्री विनीत कुमार ने इस प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि कई अधिकारियों को GeM पर ऑर्डर देते समय कई खरीद से संबंधित मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने महसूस किया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को जेम पर वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की समग्र समझ और पर्याप्त ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा और निश्चित रूप से खरीद प्रक्रिया के दौरान प्रतिकूल प्रभाव वाली किसी भी अप्रिय घटना को रोकने में मदद करेगा।

आयोग के वित्तीय सलाहाकार श्री पंकज बोडखे ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का लाभ उठाने और जेम पर वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए ऑर्डर देने में औपचारिकताओं, प्रक्रियाओं, पार्टियों के लिए विशेष शर्तों, जीएफआर नियम 149 के संबंध में ज्ञान और सबसे महत्वपूर्ण खरीद के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां व कौशल पहलुओं को अद्यतन करने का आग्रह किया।।

जेम पर खरीद में निवारक सतर्कता की भूमिका पर बोलते हुए, केवीआईसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. संघमित्रा ने कहा कि निवारक सतर्कता, संगठन के भीतर भ्रष्टाचार के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों का सामना करने का प्रस्ताव करती है। जेम पर खरीद प्रक्रिया का ज्ञान और बाजार के खरीदारों/विक्रेताओं से निपटने के तकनीकी/आधिकारिक तरीकों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवीआईसी अधिकारियों व कर्मचारियों के बीच आचरण

नियमों और विनियमों, मौजूदा दिशानिर्देशों आदि के बारे में ज्ञान उत्पन्न करना है ताकि उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निभाने में आसानी सुनिश्चित हो सके। अधिकारियों को सभी क्या करें और क्या न करें तथा निवारक सतर्कता उपायों, सीवीसी दिशानिर्देशों आदि का पालन करना चाहिए।

जेम पोर्टल के प्रशिक्षक/बिजनेस फैसिलिटेटर श्री निखिल पाटिल ने प्रशिक्षण के दौरान जेम पोर्टल की शुरुआत करते हुए, जेम पोर्टल पर प्राथमिक और माध्यमिक उपयोगकर्ताओं के रूप में पंजीकरण के लिए पूर्व-आवश्यकताएं, उनकी भूमिका और जिम्मेदारियां आदि उन विषयों के बारे में बताया। उन्होंने सभी सरकारी सेवाओं के लिए वन स्टॉप ऑनलाइन खरीद पोर्टल के रूप में GeM पोर्टल की उत्पत्ति पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य खरीदार, एक पारदर्शी कुशल और समावेशी बाज़ार को बढ़ावा देना था।

उन्होंने कहा, इस पूरी तरह से स्वचालित प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करने का पूरा विचार खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, सही कीमत पर सही गुणवत्ता सुनिश्चित करना और भारत में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों को कवर करने वाला एक स्थायी इको-सिस्टम बनाना है।

संक्षेप में, उन्होंने बताया कि जेम पोर्टल, सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने की सुविधा के लिए ई-बोली, रिवर्स नीलामी और सीधी खरीद के संपर्क सहित कागज रहित उपकरण प्रदान करता है। इसमें हजारों उत्पाद श्रेणियों और सैकड़ों सेवा श्रेणियों की समृद्ध सूची है, जिसमें लाखों विक्रेताओं ने अपनी सूची पेश की है।

उन्होंने पीपीटी के माध्यम से समझने में आसानी सुनिश्चित करने के लिए खरीदारों के पंजीकरण प्रवाह पर भी शिक्षा दी, जिसमें प्राथमिक और साथ ही माध्यमिक उपयोगकर्ता पंजीकरण के लिए पूर्व-आवश्यकताओं की जानकारी दी गई जैसे कि उपयोगकर्ता की एनआईसी द्वारा होस्ट की गई ईमेल आईडी, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर आदि जो इसके लिए अनिवार्य हैं।

उन्होंने कहा कि कई आपूर्तिकर्ताओं से मूल्य रुझान और मूल्य तुलना से खोज, तुलना, चयन और खरीदारी की सुविधा मिलती है।

पोर्टल के कार्य के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि पोर्टल बोली अवधि का चयन करने की सुविधा भी देता है; डिलीवरी

अवधि और एकाधिक कंसाइनी स्थान, तकनीकी मूल्यांकन के दौरान खरीदार एमएसई विक्रेता को एमएसई खरीद प्राथमिकता आदि के लिए पात्र या अपात्र बना सकता है।

पीएफएमएस के माध्यम से कैशलेस भुगतान के तरीके के बारे में बताते हुए उन्होंने बताया कि 18 बैंकों ने जेम पूल अकाउंट को सक्षम किया है।

बाद में, प्रतिभागियों को त्वरित समाधान के लिए ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों के बीच जेम के बारे में जानकारी देने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों/शंकाओं का उत्तर देने के लिए इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था। ❑❑

5 हिन्दुस्तान प्रहरी मंगलवार 22 अगस्त से 28 अगस्त 2023

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मनाया 77वां स्वतंत्रता दिवस

खादी... अस्त्र-शस्त्र के साथ अब भारत की प्रगति का ब्रह्मास्त्र बनेगी- मनोज कुमार

खादी दुनिया के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में शुमार : मनोज कुमार

- ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से खादी का विस्तार, 9.54 लाख लोगों को मिला रोजगार
- केवीआईसी के उत्पादों की बिक्री 1.34 लाख करोड़ के पार

भास्कर संवाददाता | मुंबई

खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) तेजी से ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है।

केवीआईसी में 9.54 लाख ग्रामीणों को रोजगार मिला है। दुनिया के सबसे विश्वसनीय ब्रांडों में शुमार खादी का सालाना कारोबार पहली बार 1.34 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नौ साल से खादी को प्रोत्साहन दे रहे हैं। इस अवधि में खादी के उत्पादों के उत्पादन में 268 फीसदी, जबकि कारोबार में 332 प्रतिशत इजाफा हुआ है। यह जानकारी केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने सोमवार को दी।

मनोज कुमार ने कहा कि पीएम मोदी ने घरेलू और विदेशी मंचों पर खादी को प्रोत्साहन दिया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रेरणा और कारीगरों की मेहनत रंग ला रही है। हाथ से बने और पर्यावरण अनुकूल खादी उत्पादों की मांग साल-दर-साल बढ़ रही है।

रोजगार का सृजन

उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने ग्रामीण इलाकों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए बीते 9 वर्षों में उत्पादन और बिक्री का रिकॉर्ड कायम किया है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में केवीआईसी में संचयी रोजगार जहां 1.30 करोड़ था, वहीं 2022-23 में यह 36 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.77 करोड़ तक पहुंच गया। इसी अवधि में 5.62 लाख नए रोजगारों का सृजन हुआ था। पिछले साल (2022-23) में 9.54 लाख लोगों को रोजगार मिला था।

उत्पादन 268% बढ़ा

वित्त वर्ष 2013-14 में केवीआईसी का उत्पादन 26,109 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2022-23 में यह 268 प्रतिशत उछाल के साथ 95,957 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष में 1.34 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई।

देश में 8 हजार दुकानें

केवीआईसी अध्यक्ष ने बताया कि देश भर में खादी उत्पाद 8 हजार दुकानों पर उपलब्ध हैं। ग्राहकों की मांग पूरी करने के लिए खादी ने ई-प्लेटफॉर्म भी शुरू किया है।

Khadi...along with weapons will now become the Brahmastra of India's progress

Mumbai: The 77th In Mumbai: On 77th Independence day, Chairman KVIC announces many welfare and employment generation intiatives taken up KVIC Manoj Kumar, Honorable Chairman, Khadi and Village Industries Commission hoisted the tricolour on the occasion of the 77th Independence Day at Central Office, Mumbai. He also led the Tiranga Rally organized by Khadi and Village Industries Commission at Ville Parle (West).

Addressing the audience, Manoj Kumar, Honorable Chairman, KVIC, emphasized that the flag soaring high in the sky is not merely a piece of cloth, but a symbol of sacrifice, struggle and dreams of countless people who believed in the power of unity and unwavering determination. People who envisioned an India united by the values of justice, freedom, equality, and brotherhood, crafting the dream of a resplendent India. Today, under the leadership of Honorable Prime Minister Narendra Modi, the efforts of their hardship is turning in to reality.

He stated that under the leadership of Honorable Prime Minister Narendra Modi, the Khadi and Village Industries sector has ignited the flame of nationalism throughout the country with programs like Khadi 2.0

'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में बढ़े कदम, 'खादी रक्षासूत' का अनावरण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 77वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ मनाया. अध्यक्ष मनोज कुमार ने खादी मुख्यालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा को माल्यार्पण कर ध्वजारोहण किया.

திருச்சி 8-8-2023

திருச்சி வடக்கு சர்வோதய சங்கம் சார்பில்

தேசிய கைத்தறி தின நிகழ்ச்சி நேரடி ஒளிபரப்பு

:55 AM

கைத்தறி தினத்தையொட்டி

பிரதமர் மோடி பங்கேற்ற நிகழ்ச்சி நேரடியாக ஒளிபரப்பு

● அரியலூர்

நாட்டின் வளமான கலை மற்றும் கைவினைக் கலை பாரம்பரியத்தை உயிர்ப்புடன் வைத்திருக்கும் கைவினைஞர்கள் மற்றும் கலைஞர்களுக்கு ஊக்குவிப்பு மற்றும் ஆதரவு வழங்கும் வகையில், டெல்லியில் உள்ள பிரகதி மைதானத்தில் தேசிய கைத்தறி தினம் நேற்று கொண்டாடப்பட்டது. இந்நிகழ்ச்சியில் பிரதமர் மோடி பங்கேற்று உரை நிகழ்த்தினார்.

இந்நிகழ்ச்சி அரியலூர் மாவட்டம் உடையார்பாளையத்தில் உள்ள ஒரு திருமண மண்டபத்தில் நேரடியாக ஒளிபரப்பு செய்யப்பட்டது. இதில், மாவட்டத்தில் உள்ள நூற்போர், நெய்வோர் மற்றும் பொதுமக்கள் பங்கேற்று, நிகழ்ச்சியைப் பார்த்தனர். நிகழ்ச்சிக்கான ஏற்பாட்டை திருச்சி வடக்கு சர்வோதய சங்கச் செயலாளர் ந. சுப்பிரமணியன் மற்றும் நிர்வாகிகள் செய்திருந்தனர்.

MUMBAI
FRIDAY, AUGUST 18, 2023

...hoists the National ...7th Independence Day

...R hoisted ...on of 77th ...ntral Rail- ...Mumbai on ...ani, while ...eyed warm- ...ersonnel, their families and ... that during India's freedom ...portant role in unification of ...e leaders and freedom fight- ...ns also witnessed many im- ... struggle. Railwaymen have ... their houses as part of 'Har

...WO visited Bharat Ratna ...ailway Hospital, Byculla ...7th Independence Day

...WWO, inaugurated the vari- ...nt of Pathology and Microbi- ... Automatic Tissue Processor ...icrotome for Histopathology, ...ollection Trolleys and Web ...oratory Report Generation, ... of art 3D Imaging Centre of ... & Maxillofacial Surgery. It is ... Cone Beam CT Scan Ma- ... 3D CBCT Scan) Shri Lal- ...equipped, air-conditioned 12 ...bedded Paediatric Intensive ... Intensive Care Unit and the ...are Unit.vOn this occasion, ...nt CRWWO, gave a boost ...on process of "The Hospital ...t. Lalwani also inspected the ... Dr.BAMH and inaugurated ...ated two numbers of "Single ...safe conduct of labour, deliv-

KHAADI... along with "ASTRA_ SHASTRA" will now become "BHRAMHASTRA" of India's Progress

Khadi and Village Industries Commission Celebrated 77th Independence Day Khadi and Village Industries Commission celebrated the 77th Independence Day with gaiety and patriotic fervor today. Shri Manoj Kumar, Hon'ble Chairman, KVIC hoisted the national flag at KVIC, Head Office, Mumbai and a tricolor rally was organised by Khadi and Village Industries Commission, Vile Parle (West), Mumabi, which was led by Shri Manoj Kumar, Hon'ble Chairman of KVIC. Speaking on the occasion, Hon'ble Chairman, KVIC said that this tricolor flying in the sky is not merely a piece of cloth, it symbolizes the sacrifice, stuggle and dreams of innumerable freedom fighters, who believed in the power of unity and unwavering determination and dreamed of building an India, a great India, with the values of justice, freedom, equality and brotherhood. Today the dream of all those sacrifice is being fulfilled under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji.

KRCL Celebrates Independence Day - 2023

On the occasion of Independence Day, Shri Sanjay Gupta, Chairman & Managing Director of Konkan Railway Corporation Limited (KRCL), hoisted the National Flag at Konkan Rail Vihar in Nerul, Navi Mumbai followed by a parade conducted by the Railway Protection Force (RPF) of Konkan Railway. Addressing the spirited gathering of Officers and Staff of Konkan Railway, Shri Sanjay Gupta applauded the remarkable achievements of the corporation through the tireless dedication and relentless efforts put forth by all Employees. He em-

Khadi India

पर्यावरण के अनुकूल खादी ग्रामोद्योगी उत्पाद

"पर्यावरण के अनुकूल", "प्रकृति के समीप"
"पुनः बुनियादी आधार की ओर",
"प्राकृतिक का प्रचलन", आदि गुणवाचक शब्द
खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों के लिए नये नहीं हैं
बल्कि इनके साथ प्राकृतिक रुप से जुड़े हैं।
चयन करने के लिए कलात्मक वस्तुओं
की लम्बी श्रेणी है। खूबसूरत, विशिष्ट,
पारंपरिक और उपयोगी होने के साथ ही
उपभोक्ता वस्तुएं शुध्द, प्रामाणिक और पोषक हैं।
गुणवत्ता उत्पादन न कि अधिक उत्पादन
खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
विशिष्टता है और इसलिए देश-विदेश में
अच्छी गुणवत्ता, स्वस्थ एवं पोषक वस्तुएं
चाहने वालों की पहली पसंद है।

अपने नजदीकी खादी भवन /भंडार में अवश्य पधारें।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),मुंबई - 400056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

Follow us on : /kvicindia